



Hindi Bhasha Ki Aadhunik Pramanik Vartani हिन्दी भाषा की आधुनिक प्रामाणिक वर्तनी



Author: Dr Sachidanand Shukla डॉ. सच्चिदानन्द शुक्ल

Format: Paperback

ISBN: 8178061988

Code: 9395B

Price: Rs. 125.00 US\$ 5.00

Publisher: Unicorn Books

Usually ships within 15 days

वर्तनी शब्द का अर्थ है – स्पेलिंग। किसी भाषा के अक्षरों को शब्द बनाने में, उनके लिखित शुद्ध अक्षर, मात्रा आदिको हिन्दी में वर्तनी कहा गया है।

हिन्दी भाषा के राष्ट्रव्यापी होने के कारण उसे देवनागरी लिपि में लिखते समय शुद्ध और मानक वर्तनी का आवश्यकता पड़ी। 19वीं शती के पूर्व हिन्दी भाषा की कोई मानक वर्तनी नहीं थी। जो जसि भाषा क्षेत्र में नविस करता था, उसी के अनुसार स्थानीय भाषा के शब्दों को ही 'मानक' मानकर प्रयोग करता था। इससे भाषा में बहुत गड़बड़ी हो रही थी।

इसी गड़बड़ी को दूर करने के लिए अनेक भाषाविदों, विद्वानों, लेखकों व प्रकाशकों का ध्यान गया और सबने अपने-अपने स्तर पर हिन्दी भाषा की मानक वर्तनी स्थापित करने के प्रयास किये, किन्तु आज तक बहुत-सी बातें सर्वमान्य नहीं हो सकी हैं।

प्रस्तुत पुस्तक में पूर्व के विद्वानों का उल्लेख करते हुए, उनके वर्तनी-निर्धारण को उल्लिखित करते हुए, उनसे कुछ ग्रहण करते हुए, कुछ अपनी मान्यता स्थापित करते हुए, हिन्दी भाषा की वर्तनी को एक मानक रूप देने का प्रयास किया गया है। जजिजासु पाठकों, विद्यार्थियों, प्रकाशकों, सम्पादकों व विद्वानों के लिए यह एक उपयोगी पुस्तक है।

About Pustakmahal Publishers

Pustak Mahal publishes an extensive range of books that are both affordable and high-quality.